'सी लिंक' रखेगा साइबर कैफे का रिकार्ड

साइबर अपराधों के खिलाफ शहर पुलिस हुई सक्रिय

आतंकवादियों ने सबसे ज्यादा किया इंटरनेट का दुरुपयोग : दीक्षित

ग्राफिक्स: प्रशांत दानखेडे

साइबर से जुड़े किसी मामले में छानबीन करना मुश्किल होता था। कुछ साइबर कैफे के मालिक ग्राहकों से पहचान पत्र की मांग नहीं करते थे। साइबर कैफे को उचित सुरक्षा प्रदान करना आज बेहद जरूरी है।

अपराध संवाददाता

नागपुर। शहर पुलिस के साइबर क्राइम सेल एवं आइडेक्ट्स इनोवेशन साइबर कैफे सोल्यूशन कंपनी के संयुक्त तत्वावधान में गांधीसागर स्थित शिक्षक सहकारी बैंक सभागृह में साइबर कैफे सुरक्षा और व्यवस्थापन विषय पर संवादात्मक सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम में शहर पुलिस आयुक्त प्रवीण दीक्षित ने कहा कि इंटरनेट की क्रांति विश्वविख्यात हो चुकी है। लेकिन इसका सबसे ज्यादा दुरुपयोग आतंकवादियों ने किया है। आज कम्प्युटर हर घर की जरूरत है। आदर्श इंटरनेट की आइडेक्ट्स इनोवेशन साइबर कैफे सोल्यूशन कंपनी ने अब एक ऐसा सॉफ्टवेयर तैयार किया है, जो इंटरनेट का उपयोग करने वाले की तस्वीर के साथ उसने किस तरह का संदेश किसको भेजा है, इसका भी रिकार्ड रखेगा। उन्होंने कहा कि साइबर कैफे संचालक पुलिस विभाग का ही एक हिस्सा हैं। सुरक्षा को लेकर किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। कंपनी भारत की सबसे बड़ी साइबर कैफे सोल्यूशन कंपनी है। यह कैफे मालिकों के लिए 'सी लिंक साइबर साइबर मैनेजर' नामक सॉफ्टवेयर निःशुल्क साइबर सुरक्षा सेवा बाजार में लेकर आई है।

विविध प्रकार के राष्ट्रविरोधी गुनाहों में साइबर स्पेस का दुरुपयोग किया जा रहा है। इसके लिए कैफे मालिकों ने जागरुकता फैला कर ऐसे अपराधों को रोका जा सकता है। अपराध शाखा के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त किशोर जाधव ने कहा कि अब तक सभी साइबर कैफे उनके पास आने वाले ग्राहकों की जानकारी रजिस्टर में दर्ज करते थे। इससे ग्राहक के बारे में कम जानकारी दर्ज होती थी। साइबर से जुड़े किसी मामले में छानबीन करना मुश्किल होता था। कुछ साइबर कैफे के मालिक ग्राहकों से पहचान पत्र की मांग नहीं करते थे। साइबर कैफे को उचित सुरक्षा प्रदान करना आज बेहद जरूरी है। यह कंपनी एक जिम्मेदार कारपोरेट सदस्य होने से साइबर गुनाहों की रोकथाम की दिशा में ठोस कदम उठा रही है।

आइडेक्ट्स इनोवेशन साइबर कैफे सोल्यूशन कंपनी के प्रादेशिक व्यवस्थापक (पश्चिम विभाग) शिरीष पंडित ने कहा कि इंटरनेट का उपयोग भारत के 47 प्रतिशत लोग एक्सेस प्वांइट साइबर कैफे में करते हैं। इससे साइबर कैफे साइबर गुनाहों के लिए हॉट स्पॉट बनकर उभर रहे हैं। सी लिंक साइबर कैफे मैनेजर की मदद से अब साइबर कैफे संचालक सुरक्षा कर सकते हैं। कंपनी के मैनेजर रुद्रजीत देसाई ने बताया कि यह कंपनी की ओर से गत दो वर्षों से देश के 275 शहरों में यह सुविधा मुहैया करा चुकी है। इस सुविधा का लाभ लेने वाले कैफे संचालकों को अपने ग्राहकों का बार-बार पंजीयन नहीं करना पड़ेगा। कार्यक्रम में अपराध शाखा विभाग के एसीपी कुथे, थोरात, वानखेड़े, धरमसे, बाहुरे, अपराधशाखा पुलिस निरीक्षक माधव गिरी, साइबर सेल अपराध शाखा के पीएसआई गायकवाड, हवलदार उमेश शरणागते, संतोष सिंह ठाकुर, नीरज सिंगुवार, नरेश लिखार, किशोर शिराल, मनीष बिड़वाई, चिन्मय खेड़कर के अलावा नगर के अनेक कैफे हाउस के मालिक तथा संचालक उपस्थित थे।